राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षक सम्मेलन

वर्ष– 2003 से प्रारम्भ **राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षक सम्मेलन** के माध्यम से विज्ञान शिक्षण में गुणवता लाने के उदेश्य से शिक्षकों के लिये विभाग के पॉचों क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा शिक्षकों के लिये विभाग के पॉचों क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा खण्ड स्तरीय शिक्षक विज्ञान सम्मेलन का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय शिक्षक विज्ञान सम्मेलन.2004 में राज्य के 15 शिक्षकों ने भाग लिया। राष्ट्रीय स्तर पर कुल प्रस्तुत 300 परियोजनाओं में राज्य की परियोजनायें श्रेष्ठ रही क्योकि राजस्थान ही एक ऐसा राज्य था, जहॉ पहले खण्ड स्तर पर फिर राज्य स्तर पर एकत्र की गयी परियोजनाओं मे से श्रेष्ठ को ही चयनित कर भेजा गया था। राज्य में शिक्षक विज्ञान शिक्षण में गुणवता लाने हेतु क्या योजनाये बना सकते है, उन्हे अवसर देने के लिये विभाग ने दो चरणों में कार्यक्रम की योजना बनाई है।

(1) खण्ड स्तर पर

(2) राज्य स्तर पर

सम्मेलन निम्न उदेश्यों को ध्यान में रखकर प्रस्तावित किया गया है :–

(1) विद्यालय में विज्ञान अध्यापन में आने वाली समस्याओं व कमियों को चिन्हित करना व योजनाबद्ध तरीके से ऐसे प्रक्रिया व अनुसंधान को प्रोत्साहित करना जिससे अध्यापन व अध्ययन तकनीक व्यवहारिक व वास्तविकता के बहुत करीब लगे तथा जिसे अध्ययनकर्ता आसानी से आत्मसात कर सके।

(2) शिक्षकों को एक अवसर प्रदान करना जहॉ ऐसे ही विचारों वाले अन्य अध्यापनकर्ता आपस में अपने अनुसंधान पर चर्चा कर सके।

(3) अध्यापकों की बोद्धिक क्षमता को मूर्तरूप प्रदान करने का अवसर प्रदान करना।

(4) अध्यापकों को अपने मौलिक विचारों पर प्रयोग करने का अवसर प्रदान करना जिससे उनकी सृजन क्षमता विकसित हो सके व वैज्ञानिक आधार पर की गयी कल्पनाओं को यथार्थ रूप प्रदान किया जा सके ।

(5) विद्यालयों में वर्तमान शिक्षा प्रणाली के दोषपूर्ण पक्ष को केन्द्रत करके नवप्रवर्तक अभ्यास के माध्यम से वैज्ञानिक प्रकृति कर निर्माण किया जा सके।

कौन भाग ले सकता है :—

प्रस्तावित सम्मेलन में निम्न संभागी भाग ले सकते है :—

(1) शिक्षक—

(2) विद्यालय में विज्ञान अध्यापन से जुडे संगठन।

(3) वैज्ञानिक व शिक्षक जो शिक्षा व नीति निर्माण से जुडे हो ।

कैसे भाग ले सकते है :—

विज्ञान अध्यापन को सरल, व्यवहारिक व प्रयोग द्वारा समझाने की सोच रखने वाले संभागी विज्ञान शिक्षक सम्मेलन में भाग ले सकते है। उन्हें निम्न अहर्तायें पुरी करनी होगी :—

(1) उनकी सोच, बनाये गये उपकरण, किये गये प्रयोग, विज्ञान अध्यापन को नये आयाम प्रदान करने में सक्षम हो ।

(2) विद्यालय में पढाये जाने वाले विज्ञान पाठ्यक्रम के अध्यापन में सहजता प्रदान की जा सके ।

(3) विज्ञान के किताबी ज्ञान को प्रयोगात्मक व सिद्ध किये जाने वाले ज्ञान में परिवर्तित करने की क्षमता हो।

क्रियापद्धति :—

(1) विभाग के क्षेत्रीय कार्यालय सम्मेलन के बारे में प्रपत्र तैयार कर अपने क्षेत्र के विद्यालयों में भेजेगे विशेषकर उन विद्यालयों में जहॉ विभाग द्वारा विज्ञान केन्द्र अथवा विज्ञान क्लब खोले गये है। उन से निम्न प्रोफार्मा में प्रतिष्ठी आमंत्रित करेंगे :—

Participation Proforma

(To be filled in Block Letters)

This form must accompany the abstract and the full paper

1. Name of the Author : ____________________
2. Title of the Project : ____________________

2a. Sub Theme covered : ____________________

3. Name of the Institution: ____________________
4. Address with Postal code & Name of the State

____

____

5. Phone No. (With STD Code) ____________________
6. Fax ____________ e-mail : ____________________
7. Residential Address with Postal Code & Name of the State :

____

____

8. Phone No. (with STD Code) ____________________

e-mail : ____________________

9. Name of the Co-Author (if Applicable)____________________

____

10. Residential Address with Postal Code & Name of the State

____

____

11. Phone No. (with STD Code) : ____________________

e-mail : ____________________

12. To be presented by Author/Co-Author

Please tick whichever is applicable

(Only one participant will be allowed to participate)

Date Signature of the Author

Place : Signature of the Co-Author

(2) प्राप्त परियोजनाओं मे से अधिकतम 30 परियोजनाओं को एक दिवसीय खण्ड स्तरीय शिक्षक विज्ञान सम्मेलन में संभागीय मुख्यालय पर प्रस्तुती करण हेतु आमंत्रित करेंगे ।

(3) खण्ड स्तर पर दो चयनकर्ता श्रेष्ठ 10 का चयन कर परियोजनाओं को मुख्यालय भेजेगे ।

(4) इस प्रकार कुल प्राप्त 50 परियोजनाओं की प्रस्तुती दो दिवसीय राज्य स्तरीय शिक्षक विज्ञान सम्मेलन में पुनः प्रस्तुत की जायेगी ।

(5) तीन चयन कर्ताओं के द्वारा श्रेष्ठ 10–15 परियोजनाओं का चयन किया जायेगा

(6) चयनित परियोजनाओं को इस वर्ष होने वाली राष्ट्रीय सम्मेलन में भेजा जायेगा।

इस प्रकार इस कार्यक्रम के माध्यम से प्राध्यापक, शिक्षक इत्यादि अपने वैज्ञानिक सोच की मौलिकता को व्यापक स्वरूप प्रदान कर विज्ञान की जटिलताओं को जन साधारण की जिज्ञासाओं का समाधन उपलब्ध कराने में सक्षम होगे ।

नोटः– प्रति वर्ष राष्ट्रीय आयोजकों द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षक सम्मेलनका केन्द्रिय विषय घोषित किया जाता है, उसी केन्द्रिय विषय अथवा उप विषय पर आधारित परियोजना तैयार कर शिक्षक को भाग लेना होता है ।

राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षक सम्मेलन